www.shriramedu.com
✆ 9414015200
श्रीराम कॉम्पिटिशन क्लासेज प्रा.लि. सीकर
An ideal institute for Competitive Exams
हैड ऑफिस: भाटी मेंशन, बजाज रोड, सीकर ✆ 01572-254777
HAND WRITTEN Classroom Coaching NOTES
Best Faculty Team + Super Coaching System + Personal care = श्रीराम कोचिंग, सीकर

विषय :- भारत का इतिहास

I, II Grade Teacher & REET

102

7 वीं से 12 वीं सदी [प्रशासन, समाज व संस्कृति]

प्रशासन

सन्धि विग्रह → विदेश मंत्री
महादण्ड नायक → न्याय विभाग का प्रमुख
महादण्ड पासिक → पुलिस विभाग का प्रमुख
रण भंडागारिक → सैन्य सामान की आपूर्ति करने वाला अधिकारी
अक्ष पटलिक → आय-व्यय का हिसाब रखने वाला अधिकारी
अग्रहारिक → दान विभाग का प्रमुख

→ राजपूत प्रशासन की सबसे प्रमुख विशेषता "सामन्त प्रथा" थी। सामन्त प्रथा का उदय "गुप्तकाल" से ही माना जाता है।

→ राजपूत काल में मुख्य रूप से "वैष्णव धर्म" का प्रचलन था लेकिन शैव, बौद्ध और जैन धर्म का भी पर्याप्त विकास हुआ।

→ बंगाल के पाल शासकों ने बौद्ध धर्म को और गुजरात के चालुक्य वंशीय शासकों ने जैन धर्म को संरक्षण दिया था।

→ इस काल में मंदिर निर्माण की 3 शैलियाँ प्रचलित थी—

(1) नागर शैली :- उत्तर भारत की मंदिर निर्माण की शैली
(2) द्रविड़ शैली :- दक्षिण " " " " "
(3) वेसर/बेसर शैली :- उत्तर भारत व दक्षिण भारत की मिश्रित शैली

गर ली → नागर शैली के मंदिरों में सबसे प्रसिद्ध मंदिर "खजुराहो के मंदिर" है। खजुराहो मंदिरों का निर्माण चन्देल वंश के शासकों ने करवाया था। खजुराहो मंदिरों में भी सबसे प्रसिद्ध मंदिर → कन्दरिया महादेव मंदिर (खजुराहो) है जिसका निर्माण चन्देल शासक धंग ने करवाया था।

www.shriramedu.com
9414015200
श्रीराम कॉम्पिटिशन क्लासेज प्रा.लि. सीकर
An ideal institute for Competitive Exams
हैड ऑफिस: भाटी मेंशन, बजाज रोड, सीकर 01572-254777
HAND WRITTEN Classroom Coaching NOTES
Best Faculty Team + Super Coaching System + Personal care = श्रीराम कोचिंग, सीकर

विषय :- भारत का इतिहास

I, II Grade Teacher & REET

द्रविड़ शैली → द्रविड़ शैली के मुख्य मंदिरों में चोल नरेश राजराज I द्वारा बनाया गया तंजौर (TN) का वृहदेश्वर मंदिर है जिसे राजराजेश्वर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है

→ इसके अलावा एलोरा का कैलाश मंदिर जिसका निर्माण राष्ट्रकूट वंश के शासक कृष्ण प्रथम ने करवाया था।

→ कांची का कैलाश मंदिर भी द्रविड़ शैली का प्रसिद्ध मंदिर है जिसका निर्माण पल्लव वंश के शासक नरसिंह वर्मन II ने करवाया था।

वेसर शैली → वेसर शैली के प्रमुख मंदिरों में ऐहोल का मंदिर [ऐहोल (कर्नाटक) को मंदिरों का नगर भी कहा जाता है] तथा पट्टदकल (कर्नाटक) का पापनाथ मंदिर है।
इन मंदिरों का निर्माण चालुक्य वंशीय शासकों ने करवाया था।

Date:- 9/04/14

9 से 12 वीं शताब्दी तक संबंधीत पुस्तकें :-

	लेखक		पुस्तक
(i)	हर्ष	→	रत्नावली, प्रियदर्शिका, नागानन्द [ये तीनों ही नाटकीय रचना हैं]
(ii)	बाणभट्ट	→	हर्षचरित, कादम्बरी
(iii)	मयूर भट्ट	→	सूर्यशतक
(iv)	दण्डी	→	काव्यादर्श, दशकुमारचरित
(v)	भारवि	→	किरातार्जुनीयम्
(vi)	भर्तृहरि	→	वैराग्य शतक, श्रृंगार शतक, नीतिशतक
(vii)	महेन्द्रवर्मन	→	मत्तविलास प्रहसन
(viii)	राजशेखर	→	काव्यमीमांसा, कर्पूरमञ्जरी, भुवनकोश, विद्दशालभंजिका, बालरामायण, बालभारत (प्रचण्ड पाण्डव)

सपनों के ओर करीब .... - मंजील के ओर पास .... - श्रीराम कोचिंग, सीकर

9414015200
श्रीराम कॉम्पिटिशन क्लासेज प्रा.लि. सीकर
An ideal institute for Competitive Exams
हैड ऑफिस: भाटी मेंशन, बजाज रोड, सीकर ✆ 01572-254777
HAND WRITTEN
Classroom Coaching
NOTES
Best Faculty Team + Super Coaching System + Personal care = श्रीराम कोचिंग, सीकर
विषय :- भारत का इतिहास
I, II Grade Teacher & REET

(ix) कल्हण → राजतरंगिणी
(x) बिल्हण → विक्रमांकदेवचरितम्
(xi) चन्दरबरदाई → पृथ्वीराज रासो
(xii) जयानक → पृथ्वीराज विजय
(xiii) मेरुतुंग → प्रबन्ध चिन्तामणी
(xiv) पद्मगुप्त → नवसाहसांकचरितम्

श्रीराम कॉम्पिटिशन क्लासेज प्रा.लि. सीकर
shriramedu.com